इन्क़िलाबी नज़र
आवाज़ ... आम आदमी की
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 14 मई 2026
वर्ष 18 अंक 250 मूल्य 4-00 रुपया पृष्ठ-12

स्वतंत्रता के लिए लाखों लोगों ने अपना जीवन बलिदान कर दिया लेकिन कुछ स्वार्थी लोगों के कारण हमें सही स्वतंत्रता नहीं मिली।
- अन्ना हजारे

तापमान - अधिकतम 38.1°C (-1.7) न्यूनतम 27.4°C(+2.8) सेंसेक्स 74,608.99 (+049.73) निफ्टी 23,412.60 (+033.05) सोना 1,62,150 चांदी 2,90,000 मुद्रा - डालर 95.69 दिरहम 26.05 रियाल 25.51

इनहेलर का डर बना अस्थमा मरीजों के लिए खतरा

लखनऊ (सं)। एरा विश्वविद्यालय के निदेशक चिकित्सा शिक्षा प्रो. राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि तेजी से बदलती जीवनशैली, बढ़ते प्रदूषण और जागरुकता की कमी के बीच अस्थमा आज दुनिया भर में बड़ी स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। सही समय पर पहचान और नियमित इलाज से इस बीमारी को पूरी तरह नियंत्रित किया जा सकता है, लेकिन इनहेलर को लेकर फैली भ्रांतियां अब भी मरीजों की जिंदगी पर भारी पड़ रही हैं। विश्व अस्थमा दिवस 2026 पर श्वसन रोग विशेषज्ञों ने लोगों से जागरूक होने और एंटी-इन्फ्लेमेटरी इनहेलर के नियमित उपयोग पर जोर दिया।

श्वसन रोग विशेषज्ञ प्रोफेसर राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि अस्थमा एक दीर्घकालिक श्वसन रोग है, जिसमें सांस की नलियों में सूजन और संकुचन हो जाता है। इसके कारण मरीज को सांस फूलना, सीने में जकड़न, खांसी और घरघराहट जैसी दिक्कतें होती हैं। उन्होंने कहा कि धूल, धुआं, प्रदूषण, परागकण, पालतू जानवरों के बाल और तंबाकू का धुआं अस्थमा के प्रमुख कारणों में शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि दुनिया में करीब 36 करोड़ लोग अस्थमा से पीड़ित हैं, जबकि भारत में मरीजों की संख्या लगभग 3.5 करोड़ है। चिंताजनक बात यह है कि अस्थमा से होने वाली वैश्विक मौतों में सबसे अधिक हिस्सेदारी भारत की है। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण बीमारी की सही पहचान न होना और इनहेलर का नियमित इस्तेमाल न करना है। उन्होंने बताया कि इनहेलर थेरेपी अस्थमा नियंत्रण का सबसे प्रभावी तरीका है, लेकिन अब भी बड़ी संख्या में मरीज इसे सही तकनीक से इस्तेमाल नहीं कर पाते। उन्होंने कहा कि मरीजों और उनके परिजनों को हर चिकित्सकीय परामर्श के दौरान इनहेलर के सही उपयोग की जानकारी लेना बेहद जरूरी है। इस वर्ष विश्व अस्थमा दिवस की थीम 'हर अस्थमा मरीज के लिए एंटी-इन्फ्लेमेटरी इनहेलर की उपलब्धता' रखी गई है, ताकि लोगों को समय पर इलाज और जागरूकता का संदेश दिया जा सके।